Kidney Failure

Kidney failure is also called renal failure. With kidney failure, the kidneys cannot get rid of the body's extra fluid and waste. This can happen because of disease or damage from an injury.

The kidneys:

- Get rid of excess water and waste products
- Adjust the fluid and chemicals needed by the body
- Control blood pressure
- Control the hormones in the body that make new red blood cells

The kidneys take excess water and waste products from the blood and turn it into urine. Urine is then passed out of the body. Most people have 2 kidneys. A person can live a healthy life with one kidney.

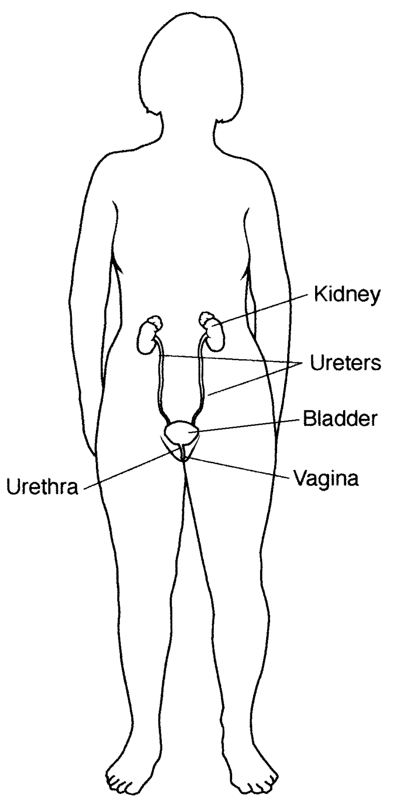

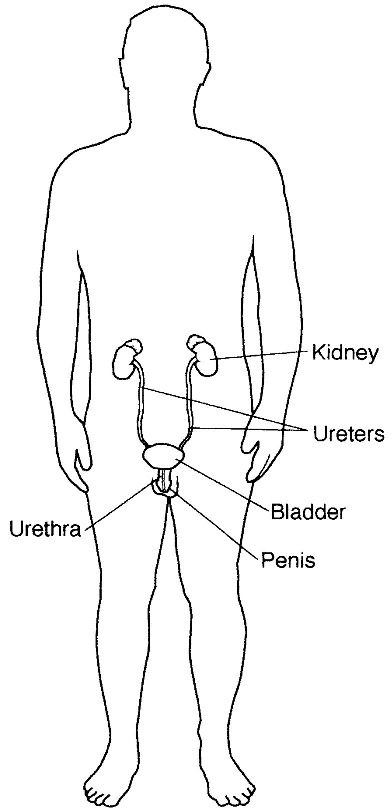

गुर्दों की खराबी

गुर्दों की खराबी को रेनल खराबी भी कहा जाता है। गुर्दे खराब होने पर, ये गुर्दे शरीर के अतिरिक्त द्रव तथा अपशिष्ट (वेस्ट) से छुटकारा नहीं पा सकते। ऐसा बीमारी अथवा चोट से हुई क्षति के कारण हो सकता है।

गुर्देः

- अतिरिक्त जल तथा अपशिष्ट उत्पादों से छुटकारा दिलाते हैं।
- शरीर के लिए आवश्यक द्रव तथा रसायनों को समायोजित करते ह।
- रक्तचाप को नियंत्रित करते हैं।
- शरीर में नये लाल रक्त कण (कोषाणु) बनाने वाले हार्मोन्स को नियंत्रित करते हैं।

गुर्दे, रक्त से अतिरिक्त जल तथा अपशिष्ट पदार्थ लेकर उन्हें मूत्र में परिवर्तित करते हैं। इसके बाद मूत्र शरीर से बाहर निकाल दिया जाता है। अधिकांश लोगों के 2 गुर्दे होते हैं। कोई व्यक्ति, एक गुर्दे के साथ भी स्वस्थ जीवन जी सकता है।

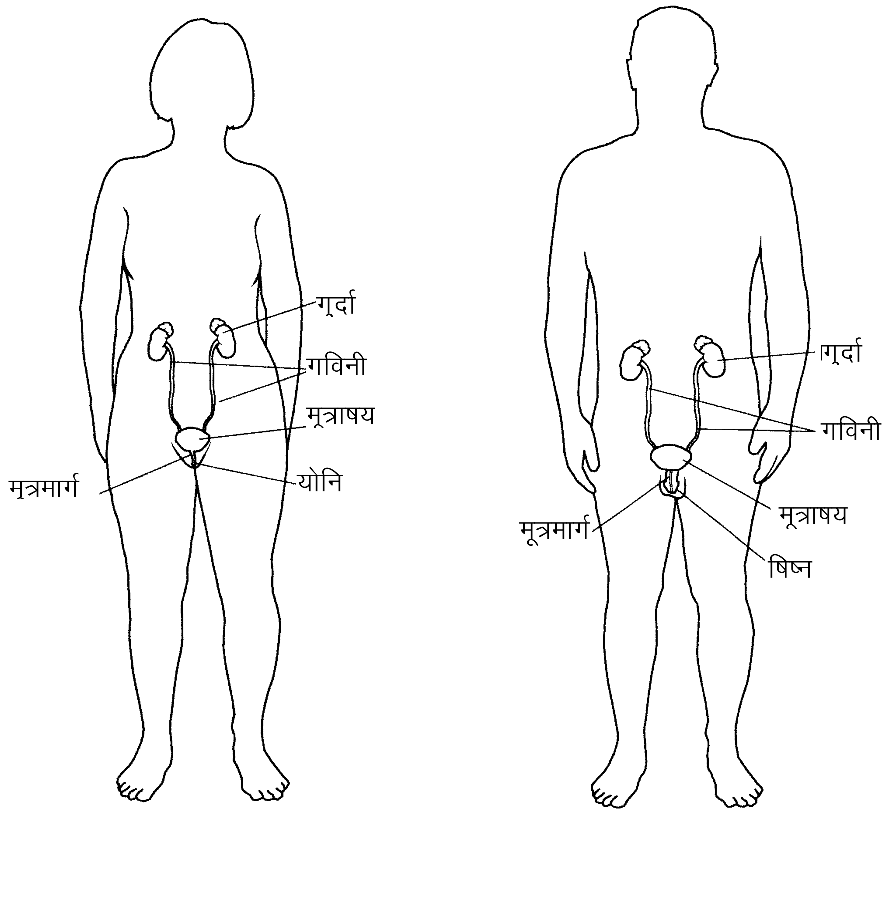

There are 2 kinds of kidney failure called acute and chronic.

Acute Kidney Failure

Acute kidney failure is a sudden loss of kidney function that happens within hours or days. Causes may include:

- Severe infections
- Severe burns
- Injury to or blockage of the blood flow to the kidneys
- Low blood pressure
- Blockage in the urinary tract
- Heart failure
- Chemical or drug poisoning

The kidneys can often get better when the cause of the problem is found and treated.

Chronic Kidney Failure

Chronic kidney failure occurs when the kidneys slowly lose their function. It is a lifelong disease that does not get better. Causes may include:

- Diseases such as diabetes, high blood pressure and heart disease
- Kidney stones
- Blockage or problems in the urinary tract
- Lupus, an autoimmune disease

गुर्दे खराब होने की 2 किस्में हैं, तीक्ष्ण (एक्यूट) तथा दीर्घकालिक (क्रोनिक)

गुर्दों की तीक्ष्ण (एक्यूट) खराबी

गुर्दों की तीक्ष्ण खराबी में गुर्दे अचानक काम करना बंद कर देते हैं, जो कुछ घंटों अथवा दिनों में घटित हो सकता है। इसके कारणों में शामिल हो सकते हैं:

- गंभीर संक्रमण
- गंभीर रूप से जल जाना
- गुर्दों में चोट अथवा गुर्दों से रक्त के बहाव में रुकावट
- निम्न रक्तचाप
- मूत्रमार्ग में रुकावट
- हृदय रोग
- रासायनिक अथवा नशीली विषाक्तता

समस्या की पहचान तथा उसका उपचार किए जाने पर गुर्दे अक्सर पुनः बेहतर कार्य करने लगते हैं।

गुर्दों की दीर्घकालिक (क्रोनिक) खराबी

गुर्दों की दीर्घकालिक (क्रोनिक) खराबी तब होती है, जब गुर्दे धीरे–धीरे अपना कार्य करना बंद कर देते हैं। यह जीवन भर चलने वाला रोग है जिसमें सुधार नहीं हो सकता। इसके कारणों में शामिल हो सकते हैं:

- कुछ रोग जैसे मधुमेह, उच्च रक्तचाप तथा हृदय रोग की बीमारी
- गुर्दे में पथरी
- मूत्रमार्ग में रुकावट अथवा समस्याएं
- लूपस (चर्म रोग), एक ऑटो इम्यून रोग

- Scleroderma, a skin and connective tissue disorder
- Chronic infections
- Drug abuse
- Poisons

Signs of Chronic Kidney Failure include:

- Swelling in the hands, face or feet
- Changes in how often you need to urinate
- Feeling very tired or weak
- Headache and confusion
- Nausea or vomiting
- Loss of appetite
- Feeling short of breath
- Itchy skin

There is no cure for chronic kidney failure. It is treated with diet changes and medicines. When the kidneys lose most of their function, called end-stage renal failure, dialysis is needed several days a week. A kidney transplant may also be a treatment option.

Talk to your doctor or nurse if you have any questions or concerns.

2/2008. Developed through a partnership of The Ohio State University Medical Center, Mount Carmel Health and OhioHealth, Columbus, Ohio. Available for use as a public service without copyright restrictions at **www.healthinfotranslations.org**.

- स्क्लेरोडर्मा, एक त्वचा तथा संबद्ध ऊतक खराबी है।
- दीर्घकालिक संक्रमण
- नशे की लत
- विभिन्न विष

गुर्दों की गंभीर खराबी संबंधी, लक्षणों में शामिल हैं:

- हाथों, चेहरे तथा पावों में सूजन
- आपके पेशाब करने की आवृत्ति में बदलाव
- बहुत थकान अथवा कमजोरी अनुभव करना
- सिरदर्द तथा संभ्रम
- मतली अथवा वमन
- भूख कम हो जाना
- सांसे छोटी हो जाना/दम फूलना
- त्वचा पर चुभन महसूस होना

गुर्दों की गंभीर खराबी का कोई इलाज नहीं है। इसका आहार परिवर्तन तथा दवाओं द्वारा इलाज किया जाता है। जब गुर्दे अपने अधिकांश कार्य करना बंद कर देते हैं, जिसे अंतिम चरण की 'रेनल' खराबी कहा जाता है, तब सप्ताह में कई बार डायलेसिस किए जाने की आवश्यकता होती है। गुर्दों के प्रत्यारोपण पर भी, एक विकल्प के रूप में विचार किया जा सकता है।

यदि आपके मन में कोई प्रश्न अथवा चिंता हो तो अपने चिकित्सक अथवा नर्स से बात करें।

2/2008. Developed through a partnership of The Ohio State University Medical Center, Mount Carmel Health and OhioHealth, Columbus, Ohio. Available for use as a public service without copyright restrictions at **www.healthinfotranslations.org**.